भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-3879
उत्तर देने की तारीख-24/03/2025

नए जवाहर नवोदय विद्यालय/केन्द्रीय विद्यालय

3879. **श्री उत्कर्ष वर्मा मधुर:**
श्री कालिपद सरेन खेरवाल:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में जवाहर नवोदय विद्यालयों (जेएनवी) की कुल संख्या का राज्यवार, विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में जिलावार ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार पश्चिम बंगाल में, विशेष रूप से झारग्राम जिले में नए जेएनवी स्थापित करने की योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(ग) क्या सरकार ने उत्तर प्रदेश के खीरी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में छात्रों के लाभार्थ जेएनवी खोले जाने की कोई समय-सीमा तय की है;
(घ) क्या खीरी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से लगभग 100 किलोमीटर दूर ट्रांस शारदा क्षेत्र, पलिया, निघासन और अन्य क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए एक भी केंद्रीय विद्यालय (केवी) नहीं है; और
(ङ) क्या सरकार के पास इन क्षेत्रों में केंद्रीय विद्यालय खोलने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क): आज की तारीख तक, देश में पश्चिम बंगाल के 22 जनवि सहित कुल 689 नवोदय विद्यालय (जनवि) संस्वीकृत किए गए हैं। इन जनवि का राज्य/जिला-वार ब्यौरा यूआरएल लिंक - https://navodaya.gov.in/nvs/en/Promotion-Notification/ पर उपलब्ध है।

(ख) और (ग): नवोदय विद्यालय योजना में देश के प्रत्येक जिले में एक नवोदय विद्यालय (नवि) खोलने की परिकल्पना की गई है। नए नवोदय विद्यालय खोलना एक सतत प्रक्रिया है जो स्थायी भवन के निर्माण के लिए आवश्यक उपयुक्त भूमि, निःशुल्क उपलब्ध कराने तथा स्थायी भवन के निर्माण तक विद्यालय के संचालन हेतु आवश्यक अस्थायी भवन, निःशुल्क उपलब्ध कराने के लिए संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन की इच्छा पर निर्भर

करता है। नए जनवि की संस्वीकृति और खोलना मौजूदा प्रक्रियाओं के अनुसार सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन पर निर्भर करता है।

वर्ष 2001 से उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में एक नवोदय विद्यालय पहले से ही कार्यात्मक है। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार ने पश्चिम बंगाल के कवर न किए गए झारग्राम और पूर्व बर्धमान जिलों के दो नए नवोदय विद्यालयों सहित हाल ही में 28 नए नवोदय विद्यालय अनुमोदित किए हैं।

(घ) और (ङ): नए केंद्रीय विद्यालय (केवि) खोलना एक सतत प्रक्रिया है। केवि मुख्य रूप से रक्षा और अर्ध-सैन्य कार्मिकों, केंद्रीय स्वायत्त निकायों, केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) और केंद्रीय उच्च शिक्षा संस्थान (आईएचएल) सहित केंद्र सरकार के स्थानांतरणीय कर्मचारियों के बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पूरे देश में शिक्षा का एक समान कार्यक्रम प्रदान करने हेतु खोले जाते हैं। नए केवि खोलने संबंधी प्रस्ताव भारत सरकार के मंत्रालयों या विभागों/राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र (यूटी) प्रशासनों के द्वारा प्रायोजित किए जा सकते हैं, जिसमें मानदंडों के अनुसार एक नया केवि स्थापित करने के लिए भूमि और अस्थायी आवास सहित अपेक्षित संसाधन उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता होती है। प्रस्ताव मौजूदा प्रक्रियाओं के अनुसार सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के अध्यधीन हैं। वर्तमान में, उत्तर प्रदेश राज्य में 122 केवि कार्यात्मक हैं। इनमें से, 07 केवि, अर्थात् केवि लखीमपुर खीरी, केवि 39 बीएन एसएसबी गदनिया पलिया कलां, केवि 59 बीएन एसएसबी नानपारा, बहराइच, पीएम श्री केवि पीलीभीत, पीएम श्री केवि सीतापुर, पीएम श्री केवि नंबर 1 शाहजहांपुर कैंट और पीएम श्री केवि नंबर 2 शाहजहांपुर (ओसीएफ) पहले से ही ट्रांस-शारदा क्षेत्र और खीरी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र की 100 किमी परिधि में कार्यात्मक हैं।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन से प्राप्त सूचना के अनुसार, खीरी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से 100 किमी दूर ट्रांस शारदा क्षेत्र, पलिया, निघासन और अन्य क्षेत्रों में नया केन्द्रीय विद्यालय खोलने का कोई प्रस्ताव प्रायोजक प्राधिकरण से केन्द्रीय विद्यालय संगठन को प्राप्त नहीं हुआ है।

*****